“देश में पशु-चिकित्सा सेवा का सशक्तिकरण और उसका पुनर्गठन”

के बारे में राष्ट्रीय परिसंवाद

National Seminar on

“Strengthening and restructuring of Veterinary Service Delivery in the Nation.”

आयोजक:

Organized by:

भारतीय पशु-चिकित्सा संघ

Indian Veterinary Association

विचार मंथन हेतु पृष्ठभूमि पर टिप्पणी

BACKGROUND NOTE FOR BRAINSTORMING DISCUSSION

28 जून 2019, गुवाहाटी, भारत

28th June 2019, Guwahati, India

विषय-सूची

CONTENTS

1.परिचय 3

1. Introduction 3

2. उद्देश्य और लक्ष्य 8

Objective and outcome 8

3. चर्चाका संचालन 10

Conduct of the discussion 10

1.परिचय

1. INTRODUCTION

"राष्ट्रीय स्तर पर पशु-चिकित्सा सेवाओं का मुख्य लक्ष्य, पशुधन संसाधनों का संरक्षण एवं विकास है, विश्वभर में ग्रामीण रोज़गार में सुधार एवं पोषण सुनिश्चित करते हुए गरीबी उन्मूलन तथा भुखमरी की समस्या के समाधान में योगदान करना है. वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य सुरक्षा पर बेहतर प्रभाव सुनिश्चित किए जाने हेतु "स्रोत पर ही आशंका का समाधान करते हुए" नए देशव्यापी रोगों (Pandemic Disease), सूक्ष्म जीवनाशी औषधियों के प्रति प्रतिरोधकता, खाद्य सुरक्षा हेतु चुनौतियों तथा पृथ्वी की सुरक्षा आवश्यक है. इन बाध्कारी कारणोंवश, पशुधन के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर पशुचिकित्सा सेवाओं पर नियोजन करते हुए अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों एवं सिद्धांतों के अनुरूप बेहतर शासन-प्रणाली द्वारा सभी वैश्विक एवं स्थानीय समुदायों की सुरक्षा एवं विकास अपेक्षित है."

डॉ. मॉनिक एलॉट
महानिदेशक,
वर्ल्ड ऑर्गेनाइज़ेशन फ़ॉर एनिमल हेल्थ (OIE)

"*National Veterinary Services preserve and develop animal resources, reducing poverty and hunger worldwide through improving rural livelihoods and feeding the world. Their additional impact on global health security by addressing "risk at source" for emerging pandemic threats, antimicrobial resistance, and food safety crises further safeguards the planet. For these compelling reasons, supporting the livestock sector through investments in national Veterinary Services, based on international standards and principles of 'good governance', protects and develops all communities, from global to local."*

Dr Monique Eloit
Director General,
World Organisation for Animal Health (OIE)

भारत में वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने हेतु नया राजनैतिक संस्थान 2014 से ही प्रतिबद्ध है. इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के निवेश में वृद्धि हो रही है. पशुपालन और पशु-चिकित्सा के क्षेत्र में बनाए गए विभिन्न कार्यक्रमों का क्रियान्वयन युद्धस्तर पर हो रहा है, और विभिन्न राज्य सरकारें इस पहल में बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रही हैं. देश में एक सहकारी, प्रतिस्पर्धात्मक संघवाद के ढाँचे को लगातार अपनाया जा रहा है.

The new political establishment in India since 2014, has taken a pledge to double farmers income by 2022. There is a surge in public and private investments to achieve this goal. The implementation of the various designed program in animal husbandry and the veterinary sector is going on at a fast pace. The various state governments are increasingly taking part in this endeavour, and the country is increasingly embracing a model of cooperative, competitive federalism.

भारत में लम्बे समय से पशु-चिकित्सा सेवाओं हेतु पर्याप्त संसाधनों का अभाव है. नई राजनैतिक व्यवस्था के अंतर्गत भारत सरकार ने इस सेवा के महत्व को पहचाना है एवं पशु-चिकित्सा सेवाओं के सशक्तिकरण से अर्थव्यवस्था को और मजबूत बनाने हेतु नए सिरे से प्रयासरत है. विगत समय में पशुधन क्षेत्र के कार्यक्रमों, परियोजनाओं में वृद्धि के साथ व्यापक रोग नियंत्रण एवं आजीविका सहायक कार्यक्रमों में भारी निवेश से प्राप्त हुए अनुभव यह दर्शाते हैं कि अब तक किए गए निवेश एवं भविष्य हेतु निर्धारित निवेशों के बेहतर नतीजों से संबंधित देश की उम्मीदों को पूरा करने के लिए पशु-चिकित्सा सेवा की देश-व्यापी समीक्षा करने की आवश्यकता है.

Veterinary services are chronically under-resourced in India. Government of India under the new political dispensation has recognised the importance of the service and have made renewed efforts at building the economy through the strengthening of veterinary services. The learning from this recent surge in programs and project in the livestock sector including massive investment in mass disease control and livelihood support programs indicates that the country's veterinary service needs a review to meet the national expectation in terms of a better outcome of investments made and earmarked for immediate future.

भारत में पशु-चिकित्सा सेवाएँ पशुओं के स्वास्थ्य की देखभाल, उनके कल्याण, जन स्वास्थ्य पशुधन एवं उत्पाद को बढ़ावा देने के अपने दायित्व के साथ-साथ नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा, बेहतर पोषण एवं उन्हें आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं. इस क्षेत्र के विकास हेतु क्षेत्र के अंतर्गत इस दिशा में वृहद भूमिका

निभा रही पेशेवर संस्थानों के कार्यों को महत्व देना होगा. पशु-चिकित्सा सेवाएँ केवल पशुओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा एवं पशुपालन में सहयोग करने हेतु है, जैसी अवधारणा को तुरंत बदलने की आवश्यकता है. इस संदर्भ में विभिन्न राज्यों के पशुपालन एवं पशुचिकित्सा विभाग के उद्देश्य एवं दायित्वों की वृहद व्याख्या ज़रूरी है. इस वृहद उद्देश्य के बारे में बढ़ी हुई जागरूकता एवं गुण दोष के आधार पर विवेचना आगे चलकर इस क्षेत्र के संस्थानों हेतु बेहतर आर्थिक सहयोग के रूप में परिवर्तित होगी. इससे कृषि, मानव स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य कर रहे संस्थानों के साथ साझेदारियां भी बढेंगी.

Veterinary services in India with the mandate of promoting animal health care, animal welfare, public health, and livestock production, play the crucial role of protection of health, improvement in nutrition, and economic well-being of the citizens. The development of the sector requires an appreciation of this larger role played by professional institutions within the sector. There is an urgent need to change the perception that veterinary service is only for the health care of animals and to support livestock farming. A wider description of the mandate of the Animal Husbandry and Veterinary Department in various states is important in this context. The increased awareness and appreciation of the wider mandate will translate into further improved budgetary support to institutions within the sector. It will also augment partnerships of veterinary institutions with institutions within the domain of agriculture, human health, and environment.

भारत सरकार ने वर्ल्ड ऑर्गेनाइज़ेशन फ़ॉर एनिमल हेल्थ (OIE) के सहयोग से प्रथम बार नवम्बर 2018 में भारतीय पशु-चिकित्सा सेवाओं के प्रदर्शन के मूल्यांकन की प्रथम रिपोर्ट प्रकाशित की थी. सार्वजनिक क्षेत्र[1] की इस रिपोर्ट ने कई अनुशंसाएं प्रदान की हैं.

During November 2018, the Government of India published the first ever report of performance evaluation of national veterinary services (PVS) in collaboration with the world organisation for animal health (OIE). The report, which is in the public domain[1] provided various recommendations.

भारत में पशुपालन और पशु-चिकित्सा सेवा, राज्य सरकार का विषय है. स्थानीय ज़रूरतों के आधार पर पशु-चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकारों की क्षमता को सशक्त और मज़बूत बनाना महत्वपूर्ण है. केंद्र सरकार के लिए भी सभीराज्यों में पशु-

[1]http://www.oie.int/fileadmin/Home/eng/Support_to_OIE_Members/docs/pdf/25022019_India_PVS_Evaluation_report_final.pdf

चिकित्सा अधिकारियों की शिक्षा और प्रशिक्षण, लोक सेवा हेतु नियुक्ति के मानक, लोक सेवा में मुख्य/सहायक श्रेणी के प्रकार, संवर्ग संरचना के विभिन्न स्तरों से संबंधित काम एवं दायित्व, चुनिन्दा सार्वजनिक सेवाओं हेतु आउटसोर्सिंग के नियम आदि में समरूपता सुनिश्चित करना नितांत आवश्यक है.

Animal Husbandry and Veterinary service is a state subject in India. It is important to empower and build the capacity of state governments to deliver veterinary services based on local need. It is also imperative for the central government to ensure a degree of uniformity across the states in areas such as education and continuous training of veterinary personnel, norms of recruitment in public service, types of core/support cadre in public service, cadre structure at various levels with corresponding job responsibilities, norms for outsourcing of select public services, etc.

बदलते परिवेश के साथ, भारत में राष्ट्रीय पशु-चिकित्सा सेवाओं को निम्नलिखित सात प्राथमिक आवश्यकताओं को सुनिश्चित करने के लिए स्वयं को पुनः व्यवस्थित करना होगा:

With the changing scenario, National veterinary services in India also need to reorient itself to ensure the following seven priority requirement:

1. अंतिम चरण की समस्या का कुशलतापूर्वक प्रबंधन (उदा. दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में विस्तार सेवाओं, वैक्सीन डिलीवरी, दवाओं के संकलन आदि के लिए सामुदायिक स्तर पर मूलभूत सुविधाएँ और कार्यबल)

   Efficient handling of last mile problem (e.g., infrastructure and workforce at the community level for extension services, vaccine delivery, the assortment of drugs in remote rural areas, etc.)

2. लोक सेवाओं हेतु आवश्यकतानुसार बेहतरलक्ष्य-निर्धारण और सेवाएँ प्रदान करना उदाहरण विकसित पट्टी में व्यावसायिक फार्म को बढ़ावा देने हेतु विशेषज्ञों का संवर्ग और मूलभूत सुविधाएँ, उत्पाद समूहों से व्यापार को बढ़ावा देने हेतु एपिडेमियोलॉजिकल सेवाएँ, शहरी क्षेत्रों में लोक स्वास्थ्य सेवाएँ.

   Improved targeting and delivery of need-based public services, e.g., Specialist cadre and infrastructure in developed belts to support commercial farm growth, epidemiological services for trade facilitation from production clusters, public health services in urban areas, etc.

3. किसानों द्वारा पहुँचाई जाने वाली ग्राहक-केन्द्रित सतत सेवाओं को सुनिश्चित करने के लिए उपयुक्त व्यवस्थाएँ (उदा. प्रत्येक हस्तक्षेप के फ़ॉलोअप).

   Appropriate arrangements to ensure continuous client-centric services (e.g., followup of every intervention) at the doorstep of farmers.

4. जैव सुरक्षा एवं खाद्य सुरक्षा के नियमों का अनुपालन, बेहतर खेती एवं किसानी से संबंधित क्रियाकलाप जैसे रोकथाम के उपायों को बढ़ावा देना.

   The predominance of preventive actions, adherence to biosecurity, and food safety norms / Good Agricultural/husbandry Practices (GAP).

5. वर्तमान में सर्वाधिक प्रचलित लक्षणों के आधार पर उपचार करने की परिपाटी को प्रयोगशाला से पुष्टि के उपरान्त उपचार करने की कार्यप्रणाली में बदलने हेतु प्रयोगशालाओं को बढ़ाना एवं उनका अधिक उपयोग करना (पेन साइड किट्स सहित).

   Increase availability and use of laboratories (including pen side kits) for treatment/intervention based on confirmatory diagnosis against current practice of predominant symptomatic treatment.

6. किसानों को सीधे तौर पर लाभ पहुंचाने, बेहतर रोग नियंत्रण, डेटा-उन्मुखी हर्ड हेल्थ निगरानी एवं उत्पादकता से जुड़ी सेवाएँ प्रदान करने हेतु अनिवार्य रूप से जानवरों एवं फार्म की पहचान.

   Mandatory animal/farm premise identification for direct benefit transfer to farmers, improved disease control, and delivery of data-oriented herd health monitoring and productivity linked services.

7. जानवरों में होने वाले रोगों की तत्काल रिपोर्टिंग, जोख़िम मैपिंग, विज्ञान पर आधारित रोग के प्रसार की जाँच, वैक्सीन की कार्यक्षमता का निष्पक्ष आंकलन, दवाओं के प्रतिकूल प्रभाव की निगरानी आदि हेतु एक जीवंत एवं व्यावसायिक निजी क्षेत्र के अनुकूल तकनीक द्वारा संचालित मजबूत प्रणाली.

   A vibrant private sector friendly, technology-driven robust system for fast animal disease reporting, risk mapping, science-based disease outbreak investigation, transparent vaccine performance evaluation, monitoring of adverse drug reaction, etc.

2. उद्देश्य और लक्ष्य

OBJECTIVE AND OUTCOME

इस विचार-मंथन का उद्देश्य भारत में पशु-चिकित्सा सेवाओं को प्रभावी बनाने हेतु पुनर्गठन की आवश्यकता, समस्या, उम्मीदें और आगे के रास्ते के बारे में सुझावों के परिप्रेक्ष्य में विभिन्न हितधारकों के विचारों को दर्ज करना है.

The objective of the brainstorming discussion is to record the views of various stakeholders related to the context, issues and need for restructuring of veterinary service delivery in India and expectations, suggestions for the way forward.

चर्चा के दौरान तैयार दस्तावेज़ भारतीय पशु-चिकित्सा संघ द्वारा भारत सरकार को सुझाव देने में सहायक होंगे जिसके आधार पर भारतीय पशु-चिकित्सा सेवाओं के पुनर्गठन हेतु दीर्घकालीन कार्यक्रमों को प्रारम्भ करने के साथ-साथ निम्नलिखित क्षेत्रों में सभी राज्यों हेतु सर्वत्र एक समान निर्धारित आदर्श दिशानिर्देशों को बनाने में मदद मिलेगी:

The documentation made during the discussion will help Indian Veterinary Association to suggest to the Government of India for initiating a long-term program on the restructuring of veterinary services, including the development of a set of model guidelines for uniformity across the states in areas like:

a) राज्यों में प्रमुख विभाग एवं मुख्य सहायक संस्थाएँ जिनके बीच साझेदारी की संभावना हो, के लिए अधिदेश.

   The mandate of the line departments and key support agencies within the states with the scope of the partnership.

b) अलग-अलग परिस्थितियों के अनुसार सेवा उपलब्ध कराने हेतु अपनाया गया प्रस्ताव एवं मॉडल

   Adopted service delivery approach and models. (For different situations)

c) पशु-चिकित्सा कर्मियों की प्रथम दिवस से ही मुख्य कार्यदक्षता.

The core competency of day-one veterinary personnel.

d) करियर में उन्नति के अवसर के साथ पशु-चिकित्सा कर्मियों की शिक्षा और निरंतर प्रशिक्षण.

The education and continuous training of veterinary personnel along with the scope of career progression.

e) लोक सेवाओं हेतु पशु-चिकित्सकों की नियुक्ति के मानक एवं मूल्यांकन की आवश्यकता.

Need assessment and norms of recruitment in public veterinary service.

f) पशु-चिकित्सा संस्थानों के विभिन्न स्तरों एवं आदेश की श्रृंखला के समानांतर लोक सेवा में (मुख्य और सहायक) संवर्ग की बनावट.

The design of cadre structure (Core and support) in public service vis a vis veterinary institution at different levels and the chain of command.

g) कार्य के आधार पर पशु-चिकित्सा कर्मियों (मुख्य एवं सहायक) के उत्तरदायित्वों का विवरण.

Description of job responsibilities of veterinary personnel (Core and support) based on functions.

h) चुनिन्दा लोक सेवाओं की आउटसोर्सिंग के लिए मानक.

Norms for the outsourcing of select public services.

i) पशु-चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने हेतु निजी/गैर-शासकीय विभागों की सहभागिता.

Private /non-government sector engagement in veterinary service delivery.

j) सार्वजनिक/निजी क्षेत्र की सेवा प्रदाता इकाइयों के साथ सूचनाओं/डाटा को साझा करने हेतु लागू नियम.

The norms for data sharing as applicable to public/private entities in service delivery.

3. चर्चाका संचालन

CONDUCT OF THE DISCUSSION

औपचारिक उदघाटन समारोह और विशेषज्ञों के भाषण के बाद समन्वित चर्चा प्रारम्भ होगी:

A formal inauguration ceremony and speeches of experts will precede the coordinated discussion:

भाषणों के विषय

The topic for the speeches:

a) भारत में राष्ट्रीय पशु-चिकित्सा सेवाओं से संबंधित OIE-PVS रिपोर्ट की अनुशंसा

   Recommendation of OIE-PVS report related to National Veterinary Services in India

b) लोक सेवा उपलब्ध कराने के संबंध में भारत सरकार का सुधार कार्यक्रम.

   Reform agenda of Government of India related to public service delivery.

यह चर्चा, सेवा उपलब्ध कराने से संबंधित निम्नलिखित पाँच "A" के इर्द-गिर्द रहेगी. चर्चा संयोजक प्रस्तुति के दौरान पाँच "A" से संबंधित विकल्पों एवं उनके अर्थ की व्याख्या करेंगे.

The discussion will revolve around following 5 A's of service delivery. The discussion coordinator will explain through the presentation the meaning and options concerning five A's.

1. उपलब्धता: पशु-चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता, विशेषतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में सुनिश्चित करने हेतु क्या किया जा सकता है?

   Availability: What can be done to ensure the availability of veterinary services more particularly in rural areas?

2. सुलभता: हम पशु-चिकित्सा सेवा को सुलभ बनाने हेतु क्या सुधार कर सकते हैं?

   Accessibility: How can we improve access to veterinary service?

3. स्वीकार्यता: पशु पालकों के लिए पशु-चिकित्सा सेवा को अधिक स्वीकार्य बनाने के लिए हम क्या कर सकते हैं?

   Acceptability: What can we do to make veterinary service more acceptable to animal owners?

4. पर्याप्तता: हम पशु-चिकित्सा सेवा को कब पर्याप्त मानते हैं (उदा. वृहद रोग नियंत्रण के परिप्रेक्ष्य में और पशुपालकों के परिप्रेक्ष्य में) पर्याप्तता बनाए रखने हेतु हमें क्या करना चाहिए?

   Adequacy: When do we consider veterinary service as adequate (e.g. in the context of mass disease control and the context of an animal owner?) What can be done to ensure adequacy?

5. वहनयोग्य: हम पशु-चिकित्सा सेवा को ग्रामीण निर्धनों के लिए किस प्रकार वहनयोग्य बना सकते हैं?
   Affordability: How can we make veterinary service affordable to the rural poor?

उपरोक्त सभी क्षेत्रों पर चर्चा, प्रतिभागियों के विचारों और सुझावों को सात ''I'' के रूप में/के प्रपत्र दर्ज करने के साथ समाप्त होगी.

The discussion on each of the above areas will culminate with the recording of participants views and suggestions in the form of 7 I's.

संस्थान: नए संस्थागत परिवर्तन की आवश्यकता है.

Institution: The new institutional change required.

मूलभूत सुविधाएँ: आवश्यक मूलभूत सुविधाएँ.

Infrastructure: The needed infrastructure.

निवेश: निवेश की प्रकृति और उसका कार्यक्षेत्र.

Investment: Nature and scope of investment.

नवीनता: नए तरीके से कार्यों को करने की गुंजाइश.

Innovation: The scope of doing things differently.

इनपुट: पशु-चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने हेतु पूर्वावश्यकताएँ

Input: The pre-requisite for veterinary service delivery

प्रोत्साहन: सेवा प्रदाता (सार्वजनिक / निजी)का लाभ और कामकाज का परिवेश

Incentive: The benefit and job environment of the service provider (Public / Private)

समावेश: सेवाओं को इससे वंचित समूहों (उदाहरण: कार्य में लगे जानवरों के स्वामी) तक पहुँचाने हेतु उपाय

Inclusion: Measures for taking services to excluded groups(e.g. Owner of work animals)

.....

लिखित विचार भेजने का पता:

Address for submission of written views:

Dr ChirantanKadian

President, Indian Veterinary Association (IVA)

Mobile No: +91 8901528977(With WhatsApp), 8168666817

Email: -ivaassociation@gmail.com

कृपया अपने सबमिशन की एक प्रति यहाँ भेजें:

Please forward a copy of your submission to:

Dr Miftahul Islam Barbaruah

Consultant, IVA

Director, Vet Helpline India Pvt Ltd.

E-mail: Mob: +919435558835 (With WhatsApp) E-mail: drbarbaruah@gmail.com

Hindi translation by:Xobdo Language Services with assistance from Dr. AshutoshJoshi and Dr Ramprakash Yadav.